Indian Council for Cultural Relations
भारतीय सांस्कृतिक सम्बंध परिषद

प्रेस विज्ञप्ति

आईसीसीआर ने 'गगनांचल': "विदेश में हिंदी" का अनावरण किया : विश्वभर में हिंदी का एक जीवंत उत्सव ।

भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर नई दिल्ली), द्वारा 14 अक्तूबर 2024 को विदेशों में हिंदी को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता को रेखांकित करने वाले एक गौरवमयी कार्यक्रम में गगनांचल विशेषांक "विदेश में हिंदी" पुस्तक के एक विशेष संस्करण का लोकार्पण किया । यह लोकार्पण कार्यक्रम आईसीसीआर मुख्यालय में आयोजित किया गया और इस अवसर पर माननीय विदेश राज्य मंत्री, श्री पबित्रा मार्गेरिटा के साथ-साथ श्री कुमार तुहिन, महानिदेशक, श्रीमती अंजू रंजन, उप महानिदेशक (संस्कृति), श्री अभय कुमार, उप महानिदेशक (सम्मेलन, संगोष्ठी और विशेष परियोजनाएं) और हिंदी के सम्मानित लेखक और विद्वान की गौरवमयी उपस्थिति थी । इस विशेषांक का संपादन डॉ. विमलेश कांति वर्मा ने किया है ।

इस 355 पृष्ठ के विशेषांक में 53 स्वदेशी-अंतर्राष्ट्रीय विद्वानों की रचनात्मक प्रतिभा को प्रदर्शित किया गया है, जिसमें हिंदी की समृद्धता को गहराई से उतारा गया है । यह संस्करण, अंग्रेजी से हिंदी में अनुदित चुनिंदा लेखों के साथ महाद्वीपों से विचारों को एक साथ लाता है, जो सभी पाठकों के लिए सुगम्य है तथा जिससे सभी पाठक जुड़ाव महसूस करते है । गगनांचल का रोमांचक नया संस्करण हिंदी के लचीलेपन और सार्वभौमिकता के एक शक्तिशाली स्तम्भ के रूप में विराजमान है।

यह पुस्तक हिंदी की भावना को पुनर्जीवित करती है, जो पिछले दो दशकों में विश्वस्तर पर समृद्ध हुई है । परिषद ने पहली बार वर्ष 2004 में गगनांचल का एक संस्करण प्रकाशित किया था, जिसमें दो खंड थे- "उत्तरार्ध" और "पूर्वार्द्ध" - जिसने विद्वानों और छात्रों को समान रूप से आकर्षित किया । इस विशेषांक को पांच खंडों में बांटा गया है । प्रथम खंड में 13 देशों के विद्वानों को शामिल किया गया है जिसमें वे अपने-अपने देशों में हिंदी की प्रासंगिकता पर चर्चा कर रहे हैं । दूसरा खंड, विदेशों में हिंदी की स्थिति और क्षमता का उल्लेख करता है । तीसरे खंड में विभिन्न संदर्भों में हिंदी से संबंधित विभिन्न विषयों पर आठ विद्वानों द्वारा चर्चा शामिल है । चौथा खंड एक साहित्यिक संकलन है जिसमें ऐसे प्रसिद्ध हिंदी कवियों, जिनका निधन हो चुका, उनके कार्यों को सम्मिलित किया गया है । पांचवें खंड में नई प्रकाशित पुस्तकों के मूल्यांकन से संबंधित 10 महत्वपूर्ण विद्वतापूर्ण कार्यों की समीक्षा शामिल है ।

यह लोकार्पण का कार्यक्रम एक जीवंत समारोह था, जिसमें हिंदी के प्रमुख विद्वान और साहित्यकार एक साथ जुटे, जो सभी हिंदी की मूल भावना को पोषित करने और सांस्कृतिक समझ को बढ़ावा देने हेतु उत्साही थे । यह पुस्तक, संभावना और सद्भावना के माध्यम के रूप में हिंदी के जरिए विश्व को जोड़ने का एक प्रयास है ।

नई दिल्ली
अक्टूबर 21, 2024